

साप्ताहिक

अचलेश्वर एक्सप्रेस

संपादक : आकाश कुशवाह:- 8435500216

वर्ष-1 अंक-06

ज्वालियर, सोमवार 28 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये

RNI No. - MPHIN/26/A/7091

आगे भी करारा जवाब देंगे

प्रधानमंत्री मोदी बोले- सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे, यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई नीति का उदाहरण था

अचलेश्वर एक्सप्रेस

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। मोदी ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई नीति का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के कारण भारत ने लंबे समय तक दर्द झेला है। सर्जिकल स्ट्राइक इसी के खिलाफ निर्णायक जवाब था। मोदी ने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने अपना रुख बार-बार साफ किया है। आतंकवादी भारत पर हमला करेंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। उन्होंने 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट और 26/11 मुंबई हमले को भी याद किया। साथ ही 9/11 हमले के 25 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना भी जताई।



मन की बात के पिछले एपिसोड

137वां एपिसोड: पीएम ने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा। पूरी खबर पढ़ें

136वां एपिसोड : पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। पूरी खबर पढ़ें

135वां एपिसोड : पीएम ने कहा था, भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। पीएम मोदी ने यह भी अपील की केवल मिट्टी से बनी ही गणेश प्रतिमा खरीदें।

मन की बात के 138वें एपिसोड की बड़ी बातें

- जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व :** पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। मैंने 15 अगस्त को भी देशवासियों से आग्रह किया था कि इसके लिए अपना समय जरूर निकालें। जनगणना के लिए अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने की यह सुविधा बहुत आसान है। आप अपने मोबाइल से ही अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज करा सकते हैं।
- स्वच्छता के महत्व का जिक्र :** पीएम मोदी बोले ने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के मौके पर स्वच्छता के महत्व का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े कई तस्वीरें, वीडियो और रीलस सामने आती हैं। उनके छोटे से प्रयास से पूरा समाज जुड़ रहा है।
- नशा मुक्ति अभियान से जुड़े युवा :** देशभर में युवाओं ने नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया है। मेरा भारत के तहत एंथम, स्लोगन राइटिंग और नुक्कड़ नाटक जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। सोशल मीडिया के जरिए युवा नशा मुक्त युवा का संदेश भी लोगों तक पहुंचा रहे हैं। अभियान के तहत 100 शहरों में स्वास्थ्य जांच और ध्यान शिविर जैसी गतिविधियां भी होगी।
- गणेश जी थाईलैंड में भी लोकप्रिय :** गणेश जी की भक्ति भारत तक सीमित नहीं, थाईलैंड में भी लोकप्रिय है। वहां भगवान गणेश की पूजा फ्रिक्कानेट के रूप में की जाती है। थाईलैंड में गणेश से जुड़ी परंपराओं पर शोध करने वाले श्रद्धालुओं के प्रयासों से अष्टविनायक यात्रा भी लोकप्रिय हुई है।

राजनाथ सिंह बोले-पाकिस्तान नहीं सुधरा तो हर कार्रवाई के लिए तैयार

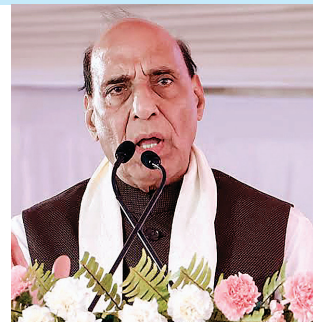
आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं चल सकती

अचलेश्वर एक्सप्रेस

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पाकिस्तान को लेकर कहा कि अगर पड़ोसी देश आतंकवाद की अपनी राज्य नीति जारी रखता है, तो भारत आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं करेगा। भारत किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा नहीं करना चाहता और न ही किसी को धमकी देना चाहता है। ये बातें उन्होंने नई दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी डिफेंस समिट 2026 में कहीं।

मोदी ने आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने की जरूरत बताई

पीएम मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने की जरूरत बताई थी। उन्होंने आतंकवाद की फंडिंग, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा था कि भारत को आतंकवाद से अपनी रक्षा करने का अधिकार है।



उन्होंने कहा था कि आतंकवाद के साथ दोस्ती और सद्भावना साथ-साथ नहीं चल सकते।

पाक पीएम की धमकी-पानी रोकना जंग जैसा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 25 सितंबर को ह में भारत को जंग की धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान युद्ध की कार्रवाई मानेगा। शहबाज शरीफ ने N में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया था। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए गर्दन की नस है। कश्मीर का मुद्दा उठाने पर ह में भारत की फर्स्ट सेक्रेटरी पेटल गहलोत ने कहा था कि पाकिस्तान को अवैध कब्जे वाले कश्मीर की हालत देखनी चाहिए।

बैंक हड़ताल टली

क्या मान ली गई मांगें या सिर्फ मिला चर्चा का आश्वासन?

नई दिल्ली(ए)। आज से शुरू होने वाली तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को टाल दिया गया है, जिससे करोड़ों बैंक ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच 27 सितंबर की देर रात हुई बैठक के बाद लिया गया। यूएफबीयू ने एक सर्कुलर जारी कर इसकी जानकारी दी, जिसके चलते रविवार को हड़ताल की तैयारी में खुले रहे बैंक भी अब सामान्य कामकाज करेंगे।

हड़ताल टालने का मुख्य कारण बैंक यूनियनों की प्रमुख मांगों पर चर्चा के लिए सहमति बनना है। यूएफबीयू के सर्कुलर के मुताबिक, बैंक कर्मचारियों के लिए पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग पर विचार करने और सभी हितधारकों व ग्राहकों को स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए तुरंत एक उच्च स्तरीय समिति का गठन आईबीए और यूएफबीयू मिलकर करेंगे। हालांकि, इस बीच पांच दिवसीय कार्य सप्ताह को सरकार द्वारा मंजूरी दिए जाने की अटकलों पर सरकारी सूत्रों ने विराम लगा दिया है। वित्त मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है, जिससे यह साफ है कि सरकार की ओर से अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।



बैंक कर्मचारी संघों की ओर से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह पर सहमति बनने का दावा किया गया था, जिसे सरकारी सूत्रों ने खारिज कर दिया है।

नई पीएलआई (परफॉर्मेंस लिंकड इंसेंटिव) योजना को वापस लेने की मांग पर दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि आईबीए यूनियनों की चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार के पास संशोधन का प्रस्ताव रखेगा, जिसके बाद आगे चर्चा हो सकेगी। इसके अतिरिक्त, 8 मार्च 2024 के मिनट्स में उल्लेखित अन्य लंबित मुद्दों को भी शीघ्रता से निपटाने के लिए चर्चा में लिया जाएगा। यूएफबीयू ने पहले यह हड़ताल इसलिए बुलाई थी क्योंकि लगभग ढाई साल पहले सरकार के साथ हुए एक समझौते में किए गए वादे पूरे नहीं हुए थे। यूनियनों की मुख्य मांगों में पांच दिवसीय बैंकिंग हफ्ता यानी शनिवार और रविवार को साप्ताहिक छुट्टी और वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा एकतरफा लागू की गई नई पीएलआई योजना को वापस लेना शामिल था।

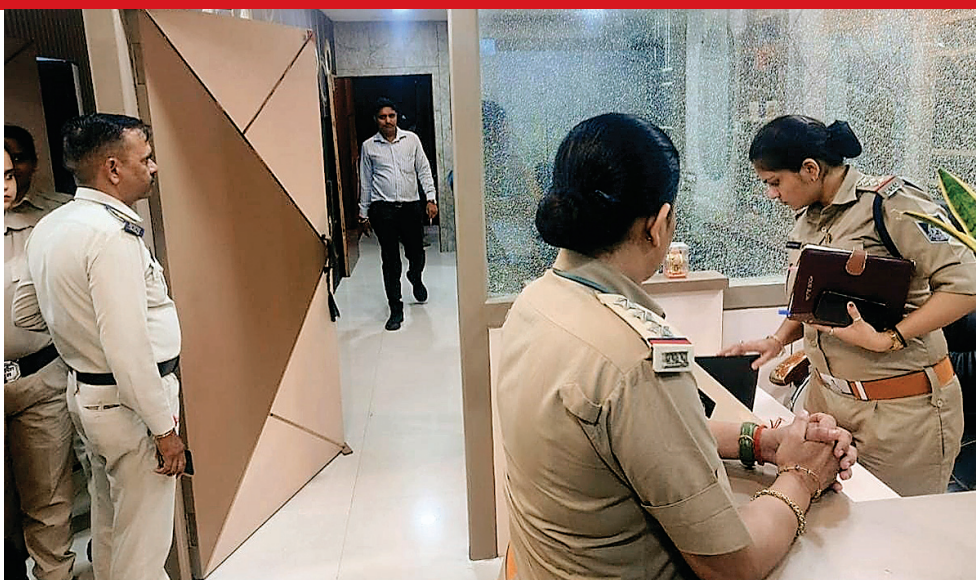
स्पा सेंटरों पर महिला पुलिस की सघन चेकिंग, अनैतिक गतिविधियों को लेकर संचालकों को सख्त हिदायत

मोनार्क द फैमिली सलून और द बीच सैलून एंड स्पा की जांच, द हीलिंग स्पा मिला बंद; सीसीटीवी और स्टाफ के दस्तावेज भी खंगाले

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ज्वालियर। शहर में स्पा सेंटर और मसाज पार्लरों की आड़ में होने वाली संभावित अनैतिक गतिविधियों पर पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर महिला पुलिस अधिकारियों की टीम ने रविवार को शहर के कुछ स्पा सेंटर और मसाज पार्लरों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस की कार्रवाई का उद्देश्य ऐसे प्रतिष्ठानों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध या अनैतिक गतिविधि पर रोक लगाना और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मानकों को सुनिश्चित करना है।

महिला थाना प्रभारी निरीक्षक स्वीटी राजावत के नेतृत्व में निरीक्षक सुरभि शर्मा सहित महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहर के चिन्हित स्पा सेंटरों की जांच की। टीम ने मोनार्क द फैमिली सलून और द बीच सैलून एंड स्पा पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों में कोई आपत्तिजनक स्थिति या सामग्री नहीं मिली। टीम ने मौके पर मौजूद स्टाफ की जानकारी



लेने के साथ प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की। इसी अभियान के दौरान पुलिस टीम ने द हीलिंग स्पा पर भी दबिश दी, लेकिन प्रतिष्ठान बंद मिला। पुलिस ने चेकिंग के दौरान संचालकों और स्टाफ से संबंधित आवश्यक जानकारी जुटाई तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जरूरी निर्देश दिए। पुलिस ने स्पा सेंटर एवं मसाज

पार्लर संचालकों को आगंतुकों का रजिस्टर नियमित रूप से संधारित करने, सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में रखने और सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों का बायोडाटा व्यवस्थित रूप से रखने की हिदायत दी गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया

कि स्पा सेंटर या मसाज पार्लर की आड़ में किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधि संचालित पाई गई तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि शहर में कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रतिष्ठानों की निगरानी और चेकिंग का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

प्रशासन, अपराध और सत्ता के बीच पिसता सिस्टम: जब सत्ता का दबाव व्यवस्था की दिशा तय करने लगे

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। मध्यप्रदेश की राजनीति में सत्ता, प्रशासन और अपराध के बीच संबंधों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व का काम नीतियां तय करना है और प्रशासन का दायित्व उन नीतियों को कानून और नियमों के दायरे में लागू करना। लेकिन जब इन दोनों के बीच की सीमाएं धुंधली होने लगती हैं, तब सबसे बड़ा नुकसान व्यवस्था के भरोसे को होता है।

सत्ता के शिखर पर बैठे नेताओं की राजनीतिक पहुंच और प्रशासनिक अधिकारियों की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है। अधिकारी यदि हर निर्णय में राजनीतिक संकेतों की प्रतीक्षा करने लें और नेता प्रशासनिक प्रक्रिया को अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार प्रभावित करने लें, तो कानून



की समानता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ऐसे माहौल में ईमानदार अधिकारी भी दबाव महसूस कर सकते हैं और निचले स्तर का अमला यह

संदेश ग्रहण कर सकता है कि नियमों से ज्यादा महत्वपूर्ण राजनीतिक संरक्षण है। दूसरी ओर अपराध की दुनिया भी इसी कमजोरी को पहचानती है। जहां

कार्रवाई चयनात्मक दिखाई देती है, वहां अपराधियों का मनोबल बढ़ने की आशंका रहती है। अवैध कारोबार, वसूली, जमीन से जुड़े विवाद, नशे

और अन्य संगठित गतिविधियों पर कार्रवाई तभी प्रभावी हो सकती है जब पुलिस और प्रशासन बिना किसी बाहरी दबाव के कानून के अनुसार काम करें। किसी व्यक्ति या समूह पर कार्रवाई हो या न हो, इसका आधार उसकी राजनीतिक पहुंच नहीं बल्कि उपलब्ध साक्ष्य और कानून होना चाहिए।

सवाल केवल नेताओं या अधिकारियों का नहीं है। असली सवाल उस पूरी व्यवस्था का है जिसमें सत्ता बदलती रहती है, अधिकारी बदलते रहते हैं, लेकिन जनता की अपेक्षा वही रहती है—कानून सबके लिए बराबर हो। यदि किसी अधिकारी की कार्यशैली पर सवाल उठता है तो जांच होनी चाहिए और यदि किसी जनप्रतिनिधि पर प्रशासनिक हस्तक्षेप के आरोप लगते हैं तो तथ्य सामने आने चाहिए। लोकतंत्र में न तो अधिकारी निरंकुश हो सकता है और न ही राजनीतिक शक्ति कानून से

ऊपर हो सकती है। आज जरूरत किसी एक चेहरे को कठपुतरे में खड़ा करने से ज्यादा उस सिस्टम की समीक्षा करने की है जिसमें प्रशासनिक निर्णय, राजनीतिक प्रभाव और अपराध की गतिविधियां एक-दूसरे को प्रभावित करने लगती हैं। सत्ता का वास्तविक प्रभाव तब माना जाएगा जब वह कानून को मजबूत करे, प्रशासन को स्वतंत्र और जवाबदेह बनाए तथा अपराध के खिलाफ बिना भेदभाव कार्रवाई सुनिश्चित करे। क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं कि किसके कहने पर अधिकारी चलते हैं, बल्कि यह है कि क्या अधिकारी अंततः संविधान, कानून और जनता के प्रति जवाबदेह होकर चल रहे हैं? यही सवाल सत्ता से भी है, प्रशासन से भी और उस व्यवस्था से भी जिसके भरोसे आम नागरिक अपना अधिकार और सुरक्षा छोड़ता है।

इयूटी 24 घंटे की, तो आराम का अधिकार भी जरूरी

पुलिस को भी चाहिए एक दिन अपना: सप्ताह में एक साप्ताहिक अवकाश हो सुनिश्चित

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। मध्य प्रदेश पुलिस का काम केवल आठ-दस घंटे की इयूटी तक सीमित नहीं है। कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, वीआईपी इयूटी, त्योहार, जुलूस, चुनाव, दुर्घटनाएं और आपात परिस्थितियां पुलिसकर्मियों को लगातार इयूटी के लिए तैयार रखती हैं। ऐसे में सप्ताह में कम से कम एक दिन का नियमित साप्ताहिक अवकाश पुलिसकर्मियों के लिए केवल सुविधा नहीं, बल्कि कार्य-जीवन संतुलन की जरूरत है। वर्ष 2023 में पुलिसकर्मियों के साप्ताहिक अवकाश को लेकर दिशा-निर्देश जारी होने की रिपोर्ट सामने आई थी। अब जरूरत इस व्यवस्था की नियमितता और प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देने की है।

परिवार के साथ एक दिन, पुलिसकर्मियों के लिए बड़ी ताकत

पुलिसकर्मियों जब लगातार इयूटी करता है तो उसका असर उसके परिवार तक भी पहुंचता है। बच्चों के साथ समय बिताना, माता-पिता से मिलना, घरेलू जिम्मेदारियां पूरी करना या केवल कुछ घंटे मानसिक रूप से आराम करना भी किसी पुलिसकर्मियों के लिए महत्वपूर्ण है। सप्ताह में एक दिन का रोटेशन आधारित अवकाश मिलने से पुलिसकर्मियों को अपनी निजी जिंदगी के लिए निश्चित समय मिल सकता है। वर्ष 2023 में तत्कालीन राज्य सरकार की ओर से पुलिसकर्मियों के लिए रोटेशन से साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करने की घोषणा भी की गई थी। अब सवाल इस व्यवस्था को जमीन पर लगातार प्रभावी रखने का है।



अचलेश्वर एक्सप्रेस की अपील—रक्षक को भी मिले विश्राम का अधिकार

मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों दिन-रात कानून-व्यवस्था संभालने के लिए सड़कों पर खड़े रहते हैं। गर्मी हो, बारिश हो, त्योहार हो या कोई बड़ा आयोजन—वर्दी में मौजूद पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। ऐसे में सरकार और पुलिस मुख्यालय से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सप्ताह में एक दिन का रोटेशन आधारित अवकाश प्रभावी रूप से सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री, गृह विभाग, डीजीपी और सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस विषय पर समीक्षा कर सकें तो पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के लिए यह महत्वपूर्ण पहल होगी। रक्षक को मजबूत रखने के लिए उसके विश्राम को भी व्यवस्था का हिस्सा बनाना जरूरी है।

अवकाश से कमजोर नहीं, व्यवस्थित हो सकती है पुलिसिंग

साप्ताहिक अवकाश को पुलिस व्यवस्था की कमजोरी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। पर्याप्त विश्राम मिलने वाला कर्मचारी लंबे समय तक अपनी इयूटी बेहतर तरीके से निभाने के लिए तैयार रहता है। हालांकि पुलिस की जिम्मेदारी सामान्य सरकारी कार्यालयों से अलग है, इसलिए सभी कर्मचारियों को एक साथ छुट्टी देना व्यावहारिक नहीं होगा। समाधान रोटेशन में है। थाने में उपलब्ध बल, अपराध की स्थिति, स्थानीय परिस्थितियों और महत्वपूर्ण आयोजनों को देखते हुए साप्ताहिक रोटेशन बनाया जा सकता है। आपातकालीन परिस्थितियों में आवश्यक संशोधन की व्यवस्था भी रहे। इससे पुलिसकर्मियों को अवकाश का भरोसा मिलेगा और विभाग के पास इयूटी प्रबंधन का स्पष्ट ढांचा रहेगा।

मुख्यमंत्री और डीजीपी के स्तर से बने स्पष्ट व्यवस्था

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के स्तर से इस विषय पर स्पष्ट, व्यावहारिक और इकाईवार व्यवस्था बनाई जा सकती है। कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए थाना, यातायात, रिजर्व पुलिस और अन्य इकाइयों में कर्मचारियों का रोटेशन तैयार किया जा सकता है। जिस दिन एक कर्मचारी को साप्ताहिक अवकाश मिले, उसी अवधि में वैकल्पिक स्टाफ की इयूटी पहले से निर्धारित हो। इस तरह अवकाश भी मिले और पुलिसिंग भी प्रभावित न हो। पुलिस मुख्यालय की ओर से छुट्टियों की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के लिए 1 जुलाई 2026 से ड्राफ्ट्स ई-लीव मॉड्यूल लागू किए जाने की रिपोर्ट भी सामने आई है।



डबरा की ओर से ग्वालियर आ रही अवैध रेत की ट्रॉलियां, पुलिस और माइनिंग के संरक्षण में चल रहा रेत का अवैध कारोबार?

क्या माइनिंग अधिकारी पंकज ध्वज मिश्रा के आते ही माफिया हुआ बेलगाम?



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। डबरा की ओर से ग्वालियर आने वाले मार्ग पर रेत से भरी ट्रॉलियों की लगातार आवाजाही ने खनिज विभाग और पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल लंबे समय से चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में रेत से भरी ट्रॉलियां सड़क पर दौड़ रही हैं तो संबंधित विभागों का सूचना तंत्र और निगरानी तंत्र कहां है?

पंकज ध्वज मिश्रा के आने के बाद उठे सवाल

खनिज अधिकारी पंकज ध्वज मिश्रा की भूमिका को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। विभाग की जिम्मेदारी अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने की है, ऐसे में डबरा से ग्वालियर तक रेत की ट्रॉलियों की आवाजाही पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नजर नहीं आ रही? क्या विभाग को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है, या फिर निगरानी व्यवस्था में ही कोई बड़ी कमी है?

अधिकारी के कार्यकाल में यदि अवैध परिवहन जारी है तो इसकी जिम्मेदारी तय होना भी जरूरी है। हालांकि किसी अधिकारी की मिलीभगत या संरक्षण की पुष्टि बिना जांच के नहीं की जा सकती, लेकिन लगातार सामने आ रही गतिविधियां विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल जरूर खड़े करती हैं।

पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में

सिर्फ खनिज विभाग ही नहीं, बल्कि उन थाना क्षेत्रों की पुलिस व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है, जिन रास्तों से रेत से भरी ट्रॉलियां गुजर रही हैं। यदि वाहनों के पास वैध रॉयल्टी, ई-टीपी और परिवहन संबंधी दस्तावेज हैं तो उनकी जांच सार्वजनिक क्यों नहीं होती और यदि दस्तावेज नहीं हैं तो कार्रवाई क्यों नहीं? यही सवाल अब स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। रेत के अवैध कारोबार से शासन को राजस्व की क्षति होने की आशंका रहती है। ऐसे में डबरा से ग्वालियर तक पूरे मार्ग की जांच, वाहनों के दस्तावेजों का सत्यापन और पिछले दिनों में की गई कार्रवाई का रिकॉर्ड सामने आना जरूरी है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड, 4000 यात्री फंसे, यूपी में 65 घंटे से आंधी-बारिश, 60 मौतें

बिहार में बाढ़ से 500 घर डूबे, कोसी-गंडक उफानी

अचलेश्वर एक्सप्रेस

नई दिल्ली। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई है। इससे करीब 4 हजार श्रद्धालु फंस गए हैं। पहाड़ी से लगातार लैंडस्लाइड हो रही है, जिससे मार्ग खोलने में दिक्कत आ रही है। खराब मौसम को देखते हुए आज केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी गई और हेली सेवाएं भी बंद हैं। वहीं, देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और पौड़ी में रेड अलर्ट, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल और रुद्रप्रयाग में ऑरेंज अलर्ट, जबकि बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, ऊधम सिंह नगर और पिथौरागढ़ में यलो अलर्ट है। यूपी के लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर समेत 45 शहरों में 65 घंटे से बारिश हो रही है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। आंधी-बारिश की वजह से 2 दिनों में 60 लोगों की मौत हो चुकी है। किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें बर्बाद हो गई हैं। हजारों पेड़ और बिजली के पोल उखड़कर गिर गए हैं। बिहार में साइक्लोन अर्नब का असर अब कमजोर पड़ गया है। राज्य में पिछले 72 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। नेपाल के तराई क्षेत्र में हो रही बारिश के चलते गंडक और कोसी नदियां उफान पर हैं।



उत्तराखंड : राज्य में रेड अलर्ट, 4 जिलों में बर्फबारी

उत्तराखंड के सभी जिलों में कल से ही तेज बारिश हो रही है। आईएमडी ने आज प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और पौड़ी में रेड अलर्ट, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल और रुद्रप्रयाग में ऑरेंज अलर्ट, जबकि बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, ऊधम सिंह नगर और पिथौरागढ़ में यलो अलर्ट है।

हिमाचल : किन्नौर में बर्फबारी शुरू, 5 जिलों में बारिश का अलर्ट

हिमाचल की राजधानी समेत राज्य के अधिकांश भागों में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और कई जगह बारिश हुई। कलपा में सबसे ज्यादा 20.5 मिलीमीटर और शिमला में 9 मिमी बारिश हुई। वहीं किन्नौर की ऊंची चोटियों पर हल्का हिमपात दर्ज किया गया। पूर के कूबू और छितकूल में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई।

इससे 17 जिलों के करीब 6 हजार गांव टापू बन गए हैं, जबकि करीब 500 घर बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। सुपौल के 50 गांवों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

IT सिस्टम की जांच होगी; कांग्रेस बोली- ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें

SIR विवाद के बीच चुनाव आयोग ने 9 नियम बदले: बैठकों का एजेंडा जारी होगा

अचलेश्वर एक्सप्रेस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार की बैठक में अपने कामकाज और चुनावी व्यवस्था से जुड़े 9 फैसले लिए। आयोग ने कहा कि बैठकों से पहले एजेंडा साझा किया जाएगा और बाद में फैसलों का रिकॉर्ड तैयार होगा। नए दृढ़ माइयूल और पोर्टल को लागू करने से पहले उनकी समीक्षा भी की जाएगी। आयोग की बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दोनों निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी मौजूद रहे। अंदरूनी मतभेद के दावों के बीच आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रुक्) से जुड़े फैसले सर्वसम्मत से हुए थे। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्ति जताई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। आयोग ने बैठक के बाद इन दावों पर भी अपनी बात रखी। वहीं कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि चुनाव आयोग अंदरूनी मतभेद सामने आने के बाद अब डैमेज कंट्रोल की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस ने कई राज्यों चल रहे स्ट्रुक् को तुरंत रोकने और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे या उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।



संधू-जोशी ने प्रतिनियुक्त अधिकारी के आदेश पर आपत्ति जताई थी

आयोग ने शनिवार को प्रेस रीलिंग जारी कर बताया कि संधू और जोशी की ओर से कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी से जुड़े थे। इंडियन एक्सप्रेस का दावा था कि संधू और जोशी ने उस आदेश पर आपत्ति जताई थी, जिससे मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और रिकॉर्ड अपडेट करने की शक्ति केंद्रीय स्तर पर सिमटने की आशंका थी। आयोग ने कहा कि संबंधित एसआईआर में नाम नहीं आया तो आवेदन कर सकते हैं: आयोग के मुताबिक, SIR में जिन लोगों के नाम छूट गए हैं, वे लगातार वोटर लिस्ट अपडेट करने की प्रक्रिया के तहत संबंधित ERO के पास नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें युवा और पहली बार वोट देने वाले लोग भी शामिल हैं। आयोग ने CEO, DEO और ERO को ऐसे लोगों के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलावे के निर्देश दिए हैं। SIR के दौरान अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की झापट वोटर लिस्ट से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। इन सवालों पर अमी स्थिति साफ नहीं: नए फैसलों के बावजूद ऑनलाइन फॉर्म-6 में माता-पिता से जुड़ा सवाल क्यों जोड़ा गया, यह स्पष्ट नहीं किया गया है। यह भी नहीं बताया गया कि इसे किसने जोड़ा और क्या अब इसे हटाया गया है।

दीपके के गुरु कौन हैं? सीजेपी में पर्दे के पीछे बड़ी भूमिका

जंतर-मंतर आंदोलन संभालने का भी दावा

नई दिल्ली (ए)। काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके के राजनीतिक मार्गदर्शक को लेकर चर्चा तेज हो गई है। एक वीडियो कॉल की सामने आई बातचीत में सीजेपी के सह संयोजक आशुतोष रांका और खुद अभिजीत दीपके ने बताया कि आजिंक्य शिंदे लंबे समय से दीपके के मेंटर रहे हैं। दोनों के मुताबिक, शिंदे पार्टी के गठन से पहले भी दीपके को सलाह देते रहे हैं और अब संगठन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। वीडियो में रांका ने कहा कि आजिंक्य शिंदे, दीपके के सीजेपी में



आने से पहले से ही उनके मेंटर हैं। उन्होंने नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन में शिंदे की भूमिका का जिक्र किया। रांका के मुताबिक, मंच पर दीपके और अन्य नेता लोगों से संवाद कर रहे थे, जबकि प्रदर्शन के प्रबंधन की जिम्मेदारी शिंदे खुद संभाल रहे थे। दीपके ने भी शिंदे की भूमिका को लेकर रांका की बात से सहमति जाहिर की है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान शिंदे ने वॉलेंटियर्स की टीम तैयार करने, भीड़ के प्रबंधन और पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दीपके के मुताबिक, इसी आंदोलन के दौरान देशभर में काम करने वाली वॉलेंटियर्स की टीम तैयार हुई।

कौन हैं आजिंक्य शिंदे?

आजिंक्य शिंदे पहले आम आदमी पार्टी (आप) से जुड़े रहे हैं। महाराष्ट्र में वह पार्टी की युवा इकाई में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं और गोवा के सह-प्रभारी भी रहे हैं। बाद में उन्होंने सीजेपी का रुख किया। सीजेपी में शिंदे को राष्ट्रीय संगठन की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के विस्तार और संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी भूमिका अहम है। दीपके और शिंदे दोनों महाराष्ट्र से आते हैं और लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं। पार्टी से जुड़े लोगों के अनुसार, शिंदे सार्वजनिक तौर पर कम नजर आते हैं और संगठनात्मक रणनीति तथा जमीनी गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान देते हैं। इसी वजह से सीजेपी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होने के बावजूद उनकी सार्वजनिक पहचान अपेक्षाकृत सीमित है।

देश की पहली एलएनजी ट्रेन शुरू

अहमदाबाद(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से देश की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम के दौरान, साबरमती डिवीजन के लिए कई रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया गया और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स की आधारशिला भी रखी गई। गुजरात को 1,542 करोड़ रुपये से ज्यादा के रेलवे प्रोजेक्ट्स की सौगात दी गई। करीब 411 करोड़ रुपये की लागत से 404 किलोमीटर लंबे रेल सेक्शन पर 'कवच' सिस्टम लागू किया गया। 122.57 किलोमीटर लंबे रेल सेक्शन पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग शुरू की गई। 700 करोड़ रुपये की लागत से बने डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव मेटेनेंस शेड का उद्घाटन किया गया। 313.27 करोड़ रुपये की लागत से 21 किलोमीटर लंबे साबरमती-सरखेज रेल सेक्शन को डबल करने का काम किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लगभग 1,542 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से किए गए ये विकास कार्य यात्रियों और इस इलाके के रेलवे नेटवर्क, दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होंगे। इन प्रोजेक्ट्स में लोकोमोटिव मेटेनेंस हब, 'कवच' सुरक्षा प्रणाली और ट्रैक को दोगुना करने का काम शामिल है। अमित शाह ने बताया कि दिल्ली से यात्रा करते समय वे कई बार साबरमती रेलवे स्टेशन पर उतरे हैं। स्टेशन में पिछले कुछ सालों में आए बदलाव को देखते हुए उन्होंने रेलवे अधिकारियों और पूरी टीम को बधाई दी।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के बनेंगे नए आभूषण

पूरी,(ए)। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति ने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के विशेष सुना बेशा अनुष्ठान के लिए आभूषणों का एक नया सेट तैयार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 12वीं सदी के इस प्रसिद्ध मंदिर की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था ने गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया। मंदिर प्रशासन ने घोषणा की कि यह नया आभूषण सेट अपने संसाधनों से तैयार किया जाएगा और इस कार्य के लिए इच्छुक व्यक्तियों और संगठनों से दान भी स्वीकार किया जाएगा।



मौजूद है, जिससे नए आभूषण तैयार करते समय परंपरागत स्वरूप और धार्मिक मान्यताओं को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

कुशल स्वर्णकारों का चयन करेगी, जो देवताओं के लिए नए आभूषण तैयार करेंगे। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जाएगी। सुना बेशा भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का एक विशेष धार्मिक श्रृंगार है, जिसमें तीनों देवी-देवताओं को स्वर्ण आभूषणों और स्वर्ण अलंकरणों से सजाया जाता है। यह अनुष्ठान साल में पांच अलग-अलग अवसरों पर आयोजित होता है इनमें चार बार मंदिर के भीतर और एक बार रथों पर यह श्रृंगार किया जाता है। मंदिर के मुताबिक सुना बेशा बहुदा एकादशी, पौष पूर्णिमा, दशहरा, कार्तिक पूर्णिमा और डोला पूर्णिमा पर आयोजित किया जाता है। बहुदा एकादशी का आयोजन आमतौर पर जुलाई में रथों पर होता है, जबकि अन्य चार अवसरों पर यह मंदिर के अंदर ही होता है। मंदिर से जुड़े सूत्रों के मुताबिक भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन के सुना बेशा की यह परंपरा 1460 ईस्वी में गजपति राजा कपिलेंद्र देव के शासनकाल में शुरू हुई थी। नए आभूषणों के निर्माण का उद्देश्य इस सदियों पुरानी धार्मिक परंपरा के लिए एक अतिरिक्त सेट तैयार करना है, जबकि मौजूदा आभूषणों का स्वरूप और धार्मिक महत्व यथावत बनाए रखा जाएगा।

संपादकीय

मुख्य चुनाव आयुक्त
ज्ञानेश का सरेंडर

केंद्रीय चुनाव आयोग के कामकाज पर जो सवाल उठे हैं, चुनाव आयोग के दो आयुक्तों ने जिस तरह से अपनी नाराजी जताई थी। इसका असर अब दिखने लगा है। एसआईआर के माध्यम से अभी तक विभिन्न राज्यों में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। इसको लेकर बड़ा विवाद शुरू हो गया है। फार्म 6 में जो बदलाव किए गए थे तार्किक विसंगति के नाम पर जो अधिकार चुनाव आयोग के पास थे ही नहीं। ज्ञानेश कुमार ने बिना दोनों आयुक्तों की सहमति के, मनमर्जी से लागू किया था। 2024 के बाद से 18 साल की उम्र पूरी कर चुके मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े जा रहे थे। इसको लेकर देश भर में बवाल मच गया है। मतदाता सूची तैयार करने का काम केंद्रीय चुनाव आयोग और संविधान के अनुसार, बीएलओ और चुनाव अधिकारी जो एसडीएम स्तर के होते हैं। जो जिले स्तर पर तैनात रहते हैं। उनके पास मतदाता सूची तैयार करने का अधिकार था। उन्हीं का निर्णय अंतिम माना जाता था। पिछले कुछ समय से चुनाव आयोग ने, जो केंद्रीय के पोर्टल तैयार किया। उसमें बीएलओ और रीजनल चुनाव अधिकारियों के अधिकार अधोषित रूप से छीन लिए गए थे। सारे निर्णय दिल्ली में बैठे हुए अधिकारी ले रहे थे, वही नोटिस जारी कर रहे थे। पोर्टल में जो सॉफ्टवेयर डाले गए थे, उसके बारे में दो अन्य चुनाव आयुक्तों को भी नहीं बताया गया था। आईटी हेड और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ही सारे निर्णय ले रहे थे। जब यह मामला खुला, और सारे देश में बवाल मचा, लोग सड़कों पर उतरने लगे। उसके बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नौद खुली। लगभग 4 महीने के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग के तीन सदस्यों की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह और विवेक जोशी भी शामिल हुए। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटे हैं। उनके फार्म इकट्ठा करने के लिए अब बीएलओ उनके घरों में जाएंगे।

क्या साजिशन हत्या का शिकार बना संत प्रेमानंद का शिष्य?

आपको बता दें प्रेमानंद

महाराज के शिष्य दीपक पटेल उर्फ रसिक दुलारीशरण की मौत की गुत्थी उलझती जा रही है। एक तरफ जहां पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है, वहीं घटनास्थल से बरामद चीजें मामले को और उलझा रही हैं। शिष्य दीपक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ है, घर में ग्राइंडर पर खून के निशान मिले हैं और एक डायरी मिली है। साथ ही जिस सीसीटीवी फुटेज में दीपक चौथी मंजिल से कूदा हुआ नजर आ रहा है, उसको फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। आशंका जताई जा रही है कि घटना के वक्त दीपक किसी ड्रग्स के प्रभाव में तो नहीं था तो इसके लिए उसका ब्लड सैंपल लिया गया है। आपको बता दें कि प्रेमानंद महाराज से दीक्षित शिष्य रसिक दुलारीशरण प्रेमानंद महाराज के आश्रम केली कुंज के पास ही जिस भवन में रहता था, उसका नाम है गुरुकृपा कुंज, उसमें प्रेमानंद महाराज के दीक्षित शिष्य ही रहते हैं। इसी भवन के रूम नंबर-21 में रसिक दुलारीशरण रहता था। उसके साथ जुगलशरण भी रहता है। प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारीशरण के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सात चोट मिली है, उनके सिर पर, चेहरे पर, हाथ-पांव और एड़ी में चोट है।

मनोज कुमार अग्रवाल

कृष्ण की नगरी वृंदावन में चर्चित संत प्रेमानंद के युवा शिष्य दीपक लोधी की कथित सुसाइड की गुत्थी उलझती जा रही है। दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारीशरण ने शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे बाराह घाट मार्ग स्थित गुरु कृपा कुंज आश्रम की छत से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद दीपक को आनन-फानन में एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। दीपक ने खुदकुशी क्यों की इसकी वजह तो अभी तक सामने नहीं आई है। लेकिन इस मामले में झकझोरने वाला सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। वहीं दीपक के प्राइवेट पार्ट में चोट बहता खून और खून से सना अंगवस्त्र कमरे में खून सना ग्राइंडर वारदात के पीछे छिपे किसी गहरे षड्यंत्र या रहस्य का संकेत दे रहे हैं। यही नहीं घटना के बाद मृतक शिष्य के परिजनों ने दो साल से कथित दीक्षा के बाद मृतक को परिजनों से नहीं मिलने देने का संगीन आरोप लगाया है इस सब के चलते इस शिष्य की मौत का मामला काफी पेचीदा हो गया है। आपको बता दें कि वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के 25 वर्षीय शिष्य दीपक लोधी (रसिक दुलारीशरण) की गुरु कृपा कुंज आश्रम की चौथी मंजिल



से गिरने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 25 सितंबर 2026 शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे वृंदावन के बारह घाट क्षेत्र स्थित गुरु कृपा कुंज आश्रम में यह वारदात घटित हुई है। मृतक दीपक लोधी मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर का रहने वाला था, जो दो साल पहले वृंदावन आया था और दीक्षा लेने के बाद अपना नाम रसिक दुलारीशरण रख लिया था। घटना के वक्त शिष्य के गुप्तांग पर गंभीर चोट के निशान और खून बहने की बात सामने आई है। कमरे से एक खून से सना ग्राइंडर भी बरामद हुआ है। आपको बता दें प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक पटेल उर्फ रसिक दुलारीशरण की मौत की गुत्थी उलझती जा रही है। एक तरफ जहां पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है, वहीं घटनास्थल से बरामद चीजें मामले को और उलझा रही हैं। शिष्य दीपक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ है, घर में ग्राइंडर

पर खून के निशान मिले हैं और एक डायरी मिली है। साथ ही जिस सीसीटीवी फुटेज में दीपक चौथी मंजिल से कूदा हुआ नजर आ रहा है, उसको फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। आशंका जताई जा रही है कि घटना के वक्त दीपक किसी ड्रग्स के प्रभाव में तो नहीं था तो इसके लिए उसका ब्लड सैंपल लिया गया है। आपको बता दें कि प्रेमानंद महाराज से दीक्षित शिष्य रसिक दुलारीशरण प्रेमानंद महाराज के आश्रम केली कुंज के पास ही जिस भवन में रहता था, उसका नाम है गुरुकृपा कुंज, उसमें प्रेमानंद महाराज के दीक्षित शिष्य ही रहते हैं। इसी भवन के रूम नंबर-21 में रसिक दुलारीशरण रहता था। उसके साथ जुगलशरण भी रहता है। प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारीशरण के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सात चोट मिली है, उनके सिर पर, चेहरे पर, हाथ-पांव और एड़ी में चोट है। इसके अलावा प्राइवेट पार्ट का कटना भी है।

मन की बात ने रेडियो को फिर बनाया जनसंवाद का सशक्त माध्यम

गांवों की चौपाल से देश के विकास तक पहुंचती प्रधानमंत्री की आवाज

- कातिलाल मांडोट

डिजिटल युग में जब समाचार और विचारों के लिए मोबाइल फोन तथा इंटरनेट सबसे तेज माध्यम बन चुके हैं, तब रेडियो पर प्रसारित होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम का इंतजार देश के अनेक हिस्सों में लोग पहले से करते हैं। कहीं परिवार साथ बैठकर इसे सुनता है तो कहीं गांव की चौपाल, पंचायत भवन या सार्वजनिक स्थान पर लोग रेडियो अथवा टेलीविजन के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुनते हैं। यही सामूहिक श्रवण 'मन की बात' को केवल प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं रहने देता, बल्कि इसे समाज और देश के बीच संवाद का माध्यम बनाता है।

'मन की बात' की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकार की योजनाओं या उपलब्धियों की चर्चा नहीं होती, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को भी सामने लाया जाता है। प्रधानमंत्री अक्सर ऐसे लोगों का उल्लेख करते हैं जिन्होंने अपने छोटे से प्रयास को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। किसी ने पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया, किसी ने स्थानीय कला और परंपरा को बचाने का प्रयास किया, किसी ने स्वच्छता को अभियान बनाया तो किसी ने युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने की पहल की। इस तरह कार्यक्रम में देश के उन लोगों को राष्ट्रीय मंच मिलता है, जिनका काम सामान्य परिस्थितियों में स्थानीय सीमा से आगे नहीं पहुंच पाता।



27 सितंबर 2026 को प्रसारित 138वें एपिसोड में भी राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर जनगणना, स्वच्छता, नशामुक्ति, सांस्कृतिक परंपराओं और वन्यजीव संरक्षण जैसे विभिन्न विषयों को जोड़ा गया। प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक की दसवीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का जिक्र किया। साथ ही 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट, मुंबई के 26/11 हमले और अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकी हमले को याद करते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इससे कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी दोनों पहलू सामने आए। जनगणना को लेकर भी प्रधानमंत्री ने नागरिकों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। वर्ष 2027 की जनगणना के लिए डिजिटल व्यवस्था और स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र सरकार के अनुसार जनगणना दो चरणों में होगी और इसके लिए बड़ी संख्या में मैदानी कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में नागरिकों की भागीदारी को राष्ट्रीय दायित्व के रूप में सामने रखना कार्यक्रम का महत्वपूर्ण संदेश रहा। स्वच्छता का विषय भी 'मन की बात' में लगातार सामाजिक अभियान के रूप में सामने

आता रहा है। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता के महत्व को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सामने आ रहे स्वच्छता संबंधी प्रयासों का उल्लेख किया। इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। सड़क, मोहल्ले, विद्यालय, बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी ही किसी अभियान को स्थायी रूप दे सकती है। युवाओं से जुड़े विषयों को भी कार्यक्रम में विशेष स्थान मिलता है। नशामुक्ति के लिए देशभर में चलाए जा रहे जागरूकता प्रयासों, प्रतियोगिताओं और जनभागीदारी का उल्लेख करते हुए युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का संदेश दिया गया। हाल के दिनों में राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के स्वास्थ्य और नशामुक्ति जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों में बड़ी भागीदारी दर्ज हुई है। 'मन की बात' का एक दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष भारत की सांस्कृतिक विविधता है। 138वें एपिसोड में भगवान गणेश की थार्डलैंड में लोकप्रियता और वहां उनसे जुड़ी परंपराओं का उल्लेख किया गया। इससे यह संदेश भी सामने आता है कि भारतीय संस्कृति की अनेक

परंपराएं देश की सीमाओं से बाहर भी लोगों को आकर्षित करती हैं। इसी तरह असम में पिग्मी हॉग के संरक्षण और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की बहाली जैसे विषय यह बताते हैं कि पर्यावरण संरक्षण का काम सरकारी प्रयासों के साथ समाज की भागीदारी से भी आगे बढ़ता है। 'मन की बात' की यात्रा को देखें तो इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि संवाद की निरंतरता है। वर्ष 2014 में शुरू हुआ यह मासिक कार्यक्रम अब 138वें एपिसोड तक पहुंच चुका है। आधिकारिक विवरण में भी इसे जमीनी नवाचारों, सामाजिक पहलों, सांस्कृतिक परंपराओं और नागरिक नेतृत्व वाले कार्यों को सामने लाने वाला मंच बताया गया है। आज भी गांवों में कार्यक्रम के समय टीवी या रेडियो के आसपास लोगों का बैठना यह बताता है कि तकनीक बदलने के बावजूद सामूहिक संवाद की जरूरत खत्म नहीं हुई है। पंचायत और तहसील स्तर पर लोग इसे सुनकर उसमें उठाए गए विषयों पर चर्चा करते हैं। किसी गांव में स्वच्छता की बात प्रेरणा बनती है, किसी जगह पर्यावरण संरक्षण का संदेश, तो कहीं युवा नशामुक्ति जैसे अभियान से जुड़ने की पहल करते हैं। 'मन की बात' का यही पक्ष इसे सामान्य राजनीतिक भाषण से अलग स्वरूप देता है। इसमें देश की बड़ी घटनाओं के साथ छोटे लेकिन प्रभावशाली सामाजिक प्रयासों को भी जगह मिलती है। प्रधानमंत्री का संदेश तभी व्यापक अर्थ ग्रहण करता है जब वह नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़ता है। रेडियो की आवाज से शुरू होकर चौपाल की चर्चा और फिर समाज की भागीदारी तक पहुंचने वाली यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक संवाद की उस परंपरा को मजबूत करती है, जिसमें सरकार और नागरिक केवल योजनाओं के लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सहभागी भी होते हैं।

राशिफल

मेष- दूर की यात्रा सफलता पूर्वक होगी, शत्रु पक्ष कमजोर होगा, कार्य अवरोध होगा।

वृष- अच्छे गुणों की हानि, स्त्री संतान के कार्य पर विशेष ध्यान अवश्य ही दें।

मिथुन- आर्थिक कमी के कारण मानसिक वलेश होगा, संतान पक्ष से कष्ट होगा।

कर्क- प्रियजनों से मेल मिलाप, स्थिति में सुधार होगा, साधनों की प्राप्ति होगी।

सिंह- संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा, सभी कार्य में प्रगति होगी, रुके कार्य बनेंगे।

कन्या- राजकीय तथा नौकरी व्यवसाय में सफलता अवश्य ही मिलेगी, ध्यान दें।

तुला- यात्रा देश हित का अवसर मिलेगा, विचारों का आदान प्रदान होगा।

वृश्चिक- स्वजनों का साथ मिलेगा, प्रयत्न से विभाग, वाहन की प्राप्ति होगी।

धनु- साहसिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी, भाग्योदय से पत्नी व बच्चों के दायित्व की पूर्ति होगी।

मकर- व्यवसाय में कोई परिवर्तन नहीं होगा, बाधाएँ अवश्य बनेंगी।

कुंभ- उद्योग में बाधाएँ बनेंगी, किन्तु यात्रा अवश्य करे, रुके कार्य पूर्ण होंगे।

मीन- अध्यन में रुचि, मानसिक व शारीरिक श्रम बाधा, कार्य अधिक करना होगा।



achleshwarexpress



@achleshwarexpressnews



achleshwarexpress_



+8815168901



@achleshwarnews



https://achleshwarexpress.com

छठी मैया गाने में मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान

तमन्ना भाटिया

अपनी आगामी फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरगटन अभिनेत्री तमन्ना भाटिया नजर आने वाली हैं।

बीते दिनों रिलीज हुआ इस फिल्म का छठ पूजा स्पेशल गाना छठी मैया (बोले तो छठी मइया सुनीं लीं विनती हमार) दर्शकों के बीच खूब सराहा जा रहा है। तमन्ना भाटिया इस गाने में पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं और उन्हें मिल रहे अपार प्रेम से वे बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में पहली बार इस त्योहार को इतने सम्मान और सच्चाई के साथ मनाया जा रहा है। तमन्ना ने फिल्म के मेकर्स की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है और इस त्योहार को पूरी सच्चाई व संवेदनशीलता के साथ दिखाया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हिंदी सिनेमा में पहली बार छठ पूजा को इस तरह से पेश किया जा रहा है।

सच कहूं तो दीपक और अरुणाभ सर इसे बहुत अच्छे से समझते हैं, क्योंकि उनके मन में इसके लिए बहुत सम्मान है। शूटिंग के दौरान उन्होंने हर चीज का ध्यान रखा और इसे बहुत ही खूबसूरती और सम्मान के साथ शूट किया गया। तमन्ना भाटिया ने छठ के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि उनके लिए भी यह त्योहार बहुत मायने रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि गाने में इसके सार और भावनाओं को कितनी खूबसूरती से दिखाया गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा, छठ पूजा आभार का प्रतीक है। हमारे पास जो कुछ भी है, यह त्योहार उसके प्रति शुक्रगुजार होने का त्योहार है। तमन्ना ने इस गाने का हिस्सा बनाने के लिए मेकर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, तो, मुझे इसका हिस्सा बनाने के लिए आपका शुक्रिया।

अभिनेत्री ने बताया कि छठी मइया का यह गाना हर किसी का ध्यान खींच रहा है और सोशल मीडिया पर इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। उन्होंने फिल्म की अवधारणा पर भी बात की, यह फिल्म हम सभी के लिए बहुत खास है। हमारे देश में बहुत सारी लोक कहानियां हैं और उन्हें बड़े पर्दे पर लाने के लिए बहुत हिम्मत, स्पष्टता और विज्ञान की जरूरत होती है। फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरगटन में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली

बार एक साथ काम कर रहे हैं। इनके अलावा, फिल्म में मनीष पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील ग्रोवर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं। दीपक कुमार मिश्रा के निर्देशन में बनी इस फिल्म को बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले शोभा कपूर और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है।

परिणीति ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

हाल ही में अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। पोस्टपार्टम के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर होने वाली चर्चा को अभिनेत्री ने अजीब बताया और सवाल उठाया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है। परिणीति ने कहा, मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूँ। सच कहूं तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती ही नहीं हूँ और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने अपनी जिंदगी के प्रति अपनी सच्चाई पर जोर देते हुए कहा, मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूँ, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूँ। अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रोलर्स से परेशान नहीं होती हैं।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है। पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरीना कैफ की ट्रोलिंग पर परिणीति ने इस तरह की

टिप्पणियों को अनपढ़े वाली बताया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, 2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं। मैं समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है। परिणीति चोपड़ा ने अपने तर्क को आगे बढ़ाते हुए कहा, मुझे सच में समझ नहीं आता कि अगर एक महिला ने बच्चे को जन्म दिया है तो उसके शरीर पर जो निशान हैं, उसमें निगेटिव क्या है। ये तो खूबसूरत निशान हैं।

उन्होंने इसे एक खूबसूरत प्रक्रिया के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया, जैसे कि मालदीव जाने पर त्वचा का टैन होना या जिम जाने पर एब्स का बनना। उन्होंने कहा, जैसे आप मालदीव जाते हैं और आपकी स्किन टैन हो जाती है, तो वो इस बात का सबूत है कि आप मालदीव गए थे। आप जिम जाते हैं तो आपके एब्स बनते हैं तो फिर 9 महीने तक एक इंसान को अपने अंदर पालने से आपके शरीर में जो जरूरी बदलाव आते हैं, जो एक हेल्दी बच्चे के लिए जरूरी हैं, उन पर चर्चा क्यों होती है और अगर चर्चा होती भी है तो निगेटिव क्यों होती है। अभिनेत्री ने अपनी बात को खत्म करते हुए एक सशक्त संदेश दिया, मेरे लिए तो बच्चे के जन्म के बाद शरीर में आया हर बदलाव बहुत खूबसूरत है। मैं इसे देखती हूँ तो लगता है कि मैंने एक बच्चे को जन्म दिया है और ये कितना सुंदर है।





नगोया में महिलाओं की मैराथन रेस पूरी करती हुई चीनी प्रतियोगी।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश दिया

बोलीं खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की जरूरत

चंडीगढ़ (ए)। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉन्ट और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के



भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है। उन्होंने खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कि मैराथन केवल दौड़ने का एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि यह समाज में व्याप्त कुछ गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को सचेत करने का एक मंच भी था। इस दौरान धावकों ने अपनी ऊर्जा और भागीदारी के माध्यम से जहां

एक ओर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और नशे से दूर रहने का स्पष्ट संदेश भी दिया। प्रतियोगिता के परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरुषों की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में यश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा

9 मिनट 5 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद एल/नायक शिवनेश सिंह ने 1 घंटा 24 मिनट 1 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और प्रिंस सांगवान ने 1 घंटा 28 मिनट 39 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं महिलाओं की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में मनीषा कौर ने 1 घंटा 39 मिनट 31 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस वर्ग में पूजा पांडे ने 1 घंटा 48 मिनट 36 सेकंड के साथ दूसरा और अमनप्रीत कौर ने 2 घंटा 8 मिनट 29 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, 10 किलोमीटर महिला दौड़ में मुस्कान ने 42 मिनट 38 सेकंड का प्रभावशाली समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। सीता ने 43 मिनट 35 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और खुशी ने 45 मिनट 53 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कोहली-गिल के शतक से भारत ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

विराट ने बनाए सबसे तेज 15 हजार रन

तिरुवनंतपुरम (ए)। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे में 8 विकेट से हरा दिया है। वेस्टइंडीज ने पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 295 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने 41.4 ओवर में 2 विकेट पर 300 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही भारत ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

आज खेले गए वनडे मैच में भारत की जीत के हीरो विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल रहे। विराट कोहली ने 88 बॉल पर नाबाद 139 रन की पारी खेली। उन्होंने 10 चौके और 9 सिक्स लगाए। कोहली ने वनडे में 55वां और इंटरनेशनल क्रिकेट में 86वां शतक लगाया। वे वनडे में सबसे तेज 15 हजार रन



बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने 303 पारियों में यह कारनामा किया। कोहली ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में 15 हजार वनडे रन पूरे किए।

कप्तान शुभमन गिल ने वनडे करियर में 10वां शतक लगाया।

उन्होंने 108 बॉल पर 110 रन की पारी खेली। गिल ने 13 चौके और एक सिक्स लगाया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बैटिंग की। जस्टिन ग्रीव्स ने 108 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 4 विकेट लिए।

स्वर्ण विजेता कबड्डी टीम के सदस्य अयान लोहचब के घर जश्न का माहौल

स्वागत की तैयारियों में लगे लोग

झज्जर (ए)। एशियाई खेलों में स्वर्ण विजेता भारतीय कबड्डी टीम का हिस्सा रहे यहां के बुपनिया गांव के अयान लोहचब के घर ही नहीं पूरे झज्जर में जश्न का माहौल है। अयान ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। जिससे परिवार के साथ ही इलाके के लोग भी गर्व का अनुभव कर रहे हैं। इसी कारण टीम की जीत के बाद से ही उनके क्षेत्र में उत्सव जारी है। इलाके के लोग 30 सितंबर को घर लौट रहे अयान के स्वागत की तैयारियों में लगे हैं। पूरे गांव में खुशी छाई है। अयान की इस असाधारण उपलब्धि पर उनका परिवार गर्व कर रहा है।

मां ने कहा कि जब अयान एशियाई खेलों के लिए रवाना हो रहा था, तब उन्होंने और दादी खजानी देवी ने उसे अपने हाथों से चूरमा खिलाकर विदा किया था। ये उनका प्यार और शुभकामनाओं से भरा एक अनुष्ठान था। मां का कहना है कि अब जब उनका बेटा देश के लिए स्वर्ण पदक



लेकर लौट रहा है, तो मां के हाथों का वही चूरमा एक बार फिर उसकी जीत का जश्न मनाएगा। अयान के भाई सुमित भी भारतीय टीम की जीत और अपने भाई की उपलब्धि पर बेहद खुश हैं।

अयान का कबड्डी के प्रति समर्पण नया नहीं है। वह इससे पहले प्रो कबड्डी लीग में भी छाये रहे हैं, जहां उनके प्रदर्शन ने ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकने का मौका दिया। परिवार को पूरा विश्वास है कि अयान आने वाले समय में भी इसी तरह देश के लिए पदक जीतता रहेगा और विश्व पटल पर भारत का नाम रोशन करता रहेगा। मां का कहना है कि अयान इसी प्रकार भविष्य में भी देश के लिए पदक जीतता रहेगा। बुपनिया गांव के लिए यह महज एक पदक नहीं, बल्कि पूरे समुदाय का गौरव है।

वेतन में देरी, क्या बैंक पर लगेगा जुर्माना? जानिए अपने हक के नियम!

क्या सैलरी में देरी होने पर बैंक पर लगता है जुर्माना? ये है आरबीआई का नियम!

नई दिल्ली (ए)। हर महीने सैलरी का इंतजार हर कर्मचारी को होता है, लेकिन कई बार कंपनी द्वारा समय पर भुगतान के बावजूद खातों में वेतन पहुंचने में देरी हो जाती है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस देरी का जिम्मेदार कौन है - कंपनी या बैंक? यह खबर आपको बताएगी कि वेतन भुगतान में देरी होने पर बैंक की जवाबदेही कब बनती है और आप अपने अधिकारों के लिए क्या कदम उठा सकते हैं।

आरबीआई के नियमों के अनुसार वेतन देरी से जमा होने पर हर बार बैंक

पर सीधा जुर्माना लगे, ऐसा कोई स्पष्ट नियम नहीं है। दरअसल, देरी का कारण पता लगाना बेहद जरूरी है। वेतन भुगतान एक द्विचरणीय प्रक्रिया है- पहले कंपनी भुगतान शुरू करती है और फिर बैंक इसे कर्मचारियों के खातों में भेजता है। यदि कंपनी ने ही भुगतान देर से किया है, तो बैंक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, यदि कंपनी ने समय पर भुगतान कर दिया है और फिर भी बैंक की ओर से किसी तकनीकी या अन्य कारण से पैसा पहुंचने में देरी हुई है, तो स्थिति अलग हो सकती है।



कच्चे माल की बढ़ती लागत और ढुलाई शुल्क बना वजह

नई दिल्ली (ए)। त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। एयर कंडीशनर (एसी), एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 3 से 8 फीसदी तक बढ़ेंगे। कंपनियों ने कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ती लागत को इसकी मुख्य वजह बताया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह इस साल तीसरी बार होगा जब कई कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। एसी की कीमतों में 5 से 8 फीसदी की वृद्धि संभव है, जबकि वॉशिंग मशीन, फ्रिज और एलईडी टीवी 3 से

त्योहारी सीजन से पहले महंगा होगा इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 फीसदी तक बढ़ेंगे दाम



4 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं। कुछ कंपनियां पहले ही दाम बढ़ा चुकी हैं। कंपनियों के मुताबिक, तांबा, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की कीमतों

में भारी उछाल आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई महंगी होने तथा विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने भी उत्पादन लागत बढ़ाई है। हायर इंडिया 1 अक्टूबर से एसी की कीमत

में 5 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। वहीं डाइकिन 16 सितंबर से ही 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। सुपर प्लास्टॉनिक्स भी अक्टूबर के बाद टीवी की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ाएंगी। त्योहारी सीजन, नवरात्रि से दिवाली तक, इलेक्ट्रॉनिक्स की सालाना बिक्री का 30-40 फीसदी हिस्सा होता है।

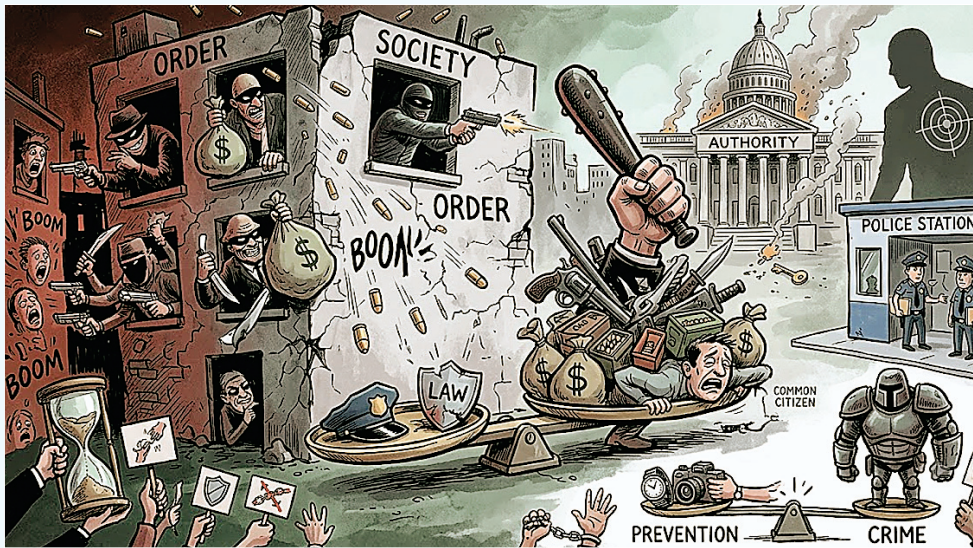
ऐसे में कंपनियों के सामने कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग बनाए रखने की चुनौती है। हालांकि, बाजार में कुछ समय तक पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक उपलब्ध रह सकता है, जिससे कुछ उत्पादों पर दिवाली तक राहत मिलने की उम्मीद है।

अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करने के लिए अब सामान्य कार्रवाई नहीं, ठोस और प्रभावी पुलिसिंग की जरूरत

गोलियों की गूंज कब थमेगी ग्वालियर में?

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। ग्वालियर में गोलीबारी, हत्या और गंभीर आपराधिक घटनाओं की खबरें लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। शहर में अपराध की हर घटना सिर्फ एक परिवार को नहीं झकझोरती, बल्कि आम नागरिक के मन में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करती है। जब गोली चलना किसी शहर में असामान्य घटना न रहकर बार-बार सामने आने वाली खबर बन जाए, तो यह पुलिस और प्रशासन के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय होना चाहिए। किसी भी घटना के बाद आरोपी की गिरफ्तारी और प्रकरण दर्ज करना पुलिस की कानूनी जिम्मेदारी है, लेकिन अपराध रोकने की असली परीक्षा घटना होने से पहले होती है। सवाल यह है कि जिन



इलाकों में अपराधी सक्रिय हैं, वहां पुलिस की मौजूदगी कितनी प्रभावी

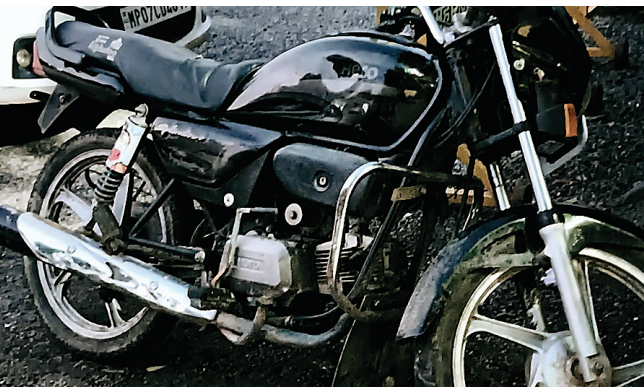
है? जिन बदमाशों का आपराधिक रिकॉर्ड है, उनकी गतिविधियों पर

कितनी निगरानी है? अवैध हथियारों की उपलब्धता पर कितनी सख्ती है

और पुराने विवादों को हिंसा में बदलने से पहले पुलिस कितनी सक्रियता से हस्तक्षेप कर रही है? अब अधिकारियों को ऐसी ठोस रणनीति बनानी होगी जिसका असर जमीन पर दिखाई दे। संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित समीक्षा, सक्रिय अपराधियों की निगरानी, अवैध हथियारों के खिलाफ लक्षित अभियान, बीट सिस्टम को मजबूत करना, सूचना तंत्र को प्रभावी बनाना और गंभीर मामलों में त्वरित कार्रवाई—इन सभी मोर्चों पर एक साथ काम करने की जरूरत है। पुलिस नेतृत्व को थानों की कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा भी करनी चाहिए। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई का आंकड़ा पर्याप्त नहीं है। यह भी देखा जाना चाहिए कि अपराध को रोकने के लिए पुलिस ने

पहले क्या प्रयास किए थे और उन प्रयासों का परिणाम क्या रहा। ग्वालियर के नागरिकों को ऐसी पुलिसिंग चाहिए जिसमें अपराधी को कानून का डर हो और आम आदमी को पुलिस पर भरोसा। गोली की आवाज को सामान्य मान लेना किसी भी शहर के लिए खतरनाक संकेत है। इसलिए समय रहते अधिकारियों को सख्त, प्रभावी और जवाबदेह कदम उठाने होंगे। अचलेश्वर एक्सप्रेस का सीधा संदेश यही है अपराध होने के बाद कार्रवाई जरूरी है, लेकिन अपराध होने से पहले उसे रोकना उससे भी बड़ी जिम्मेदारी है। ग्वालियर को ऐसी पुलिसिंग चाहिए जो अपराधियों को सिर्फ पकड़ती नहीं, बल्कि अपराध करने से पहले ही उनके हौसले पर लगाम लगा दे।

महाराजपुरा पुलिस ने शांति वाहन चोर को दबोचा, चोरी की स्प्लेंडर बरामद



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए 24 वर्षीय विकास परिहार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, मुखबिर की सूचना पर आरोपी को डीडी नगर स्थित भदौरिया ग्राउंड की झुगियों के पास से पकड़ा गया। आरोपी बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की मोटरसाइकिल लेकर खड़ा था और पुलिस को देखकर भागने का

प्रयास कर रहा था, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने मोटरसाइकिल टंकी तिराहा स्थित विवेकानंद एकेडमी के नीचे से चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने वाहन जब्त कर आरोपी को अपराध क्रमांक 559/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस अब आरोपी से अन्य वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ कर रही है। मामले में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरीक्षक यशवंत गोयल सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

नौगांव रोड पर आरटीओ की कथित अवैध वसूली का खेल, वाहन चालक परेशान

वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश भी बेअसर, कुछ दिन की सख्ती के बाद फिर वही स्थिति; जिम्मेदारों की निगरानी पर उठ रहे सवाल

अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। नौगांव रोड पर आरटीओ की कथित अवैध वसूली को लेकर वाहन चालकों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। आरोप है कि वाहनों की जांच और कार्रवाई के नाम पर सड़क पर अनधिकृत राशि वसूले जाने का सिलसिला जारी है। वाहन चालकों का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश और सख्ती के बावजूद कुछ दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर स्थानीय स्तर पर चल रही इस कथित वसूली पर प्रभावी अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है।



आदेश आते हैं, सख्ती दिखती है और फिर लौट आती है कथित वसूली
वाहन चालकों के मुताबिक नौगांव रोड पर आरटीओ की कार्रवाई को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आती रही हैं। जब भी वरिष्ठ स्तर से सख्ती के निर्देश जारी होते हैं, कुछ समय के लिए व्यवस्था बदली हुई दिखाई देती है, लेकिन बाद में कथित वसूली की शिकायतें फिर सामने आने लगती हैं। इससे विभागीय निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि मौके पर नियम विरुद्ध वसूली हो रही है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

आरटीओ आयुक्त की निगरानी पर भी सवाल, जांच से साफ होगी तस्वीर

मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि नौगांव रोड पर कथित रूप से लगातार ऐसी गतिविधियां चल रही हैं तो इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों और आरटीओ आयुक्त के स्तर तक क्यों नहीं पहुंच रही। हालांकि वसूली से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच का विषय है, लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत इस बात की है कि विभाग मौके की निष्पक्ष जांच कराए, जांच के दौरान किसी भी स्तर पर अनधिकृत वसूली पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करे और वाहन चालकों को अनावश्यक परेशानी से राहत दिलाए।

विकास के लिए अपने ही घर पर चली सीएम डॉ. यादव की गैती, सिंहस्थ की राह में आ रहा था पैतृक मकान

खजूर वाली मस्जिद से गणेश चौक तक 730 मीटर सड़क का होगा चौड़ीकरण, 272 भवनों पर कार्रवाई; घर खूद शुरू किया मकान के प्रभावित हिस्से को हटाने का काम

अचलेश्वर एक्सप्रेस

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पैतृक मकान तक पहुंच गई है। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं अपने पैतृक आवास पर गैती चलाकर उस हिस्से को हटाने की शुरुआत की, जो प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण की सीमा में आ रहा है। मुख्यमंत्री का यह मकान उनके परिवार और बचपन की यादों से जुड़ा है, लेकिन सिंहस्थ की तैयारियों और शहर के यातायात को सुगम बनाने के लिए परिवार ने प्रभावित हिस्से को



हटाने पर सहमति दी है।

जानकारी के अनुसार उज्जैन के

अब्दालपुरा क्षेत्र में खजूर वाली मस्जिद से लेकर गणेश चौक तक

करीब 730 मीटर लंबे मार्ग को समान रूप से 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। इस सड़क के चौड़ीकरण के लिए करीब 9.80 करोड़ रुपये की परियोजना प्रस्तावित है। प्रशासन और नगर निगम के सर्वे के बाद इस मार्ग पर कुल 272 भवनों को प्रभावित क्षेत्र में चिन्हित किया गया है। संबंधित भवन मालिकों को प्रक्रिया के अनुसार नोटिस और सीमांकन की कार्रवाई की गई है।

इसी कार्रवाई की जद में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पैतृक मकान भी आया है। रिपोर्टों के मुताबिक मकान का करीब 2.90 मीटर हिस्सा सड़क चौड़ीकरण की

सीमा में है। मुख्यमंत्री की बहन एवं उज्जैन नगर निगम सभापति कलावती यादव के मकान का हिस्सा भी प्रभावित हो रहा है। परिवार की ओर से शहर के विकास के लिए प्रभावित हिस्से को हटाने में सहयोग की बात कही गई है।

मुख्यमंत्री का यह मकान वर्ष 1974 में उनके दादा रामचंद्र यादव ने बनवाया था। इसी घर में मुख्यमंत्री का बचपन बीता। ऐसे में अपने पुराने घर के हिस्से को खुद हटाने का निर्णय भावनात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने मौके पर कहा कि जिस घर में बचपन बीता हो, उसके हिस्से को

हटाना भावुक करने वाला है, लेकिन सिंहस्थ और शहर के व्यापक हित में विकास कार्य जरूरी है।

उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के महेनजर सड़क, यातायात और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री द्वारा अपने ही पैतृक मकान के प्रभावित हिस्से को हटाने की शुरुआत को प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ एक राजनीतिक और सामाजिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है—कि विकास कार्यों की जद में आने वाले हिस्से से मुख्यमंत्री का परिवार भी अलग नहीं है।

घूरने की बात पर शुरू हुआ विवाद, गाली-गलौज के बाद लात-घुंसों से हमला; पत्थर से सिर पर भी किया वार

कोचिंग जा रहे नाबालिग छात्र से मारपीट, चार विधि-विरुद्ध बालक अभिरक्षा में

अचलेश्वर एक्सप्रेस

डबरा। कोचिंग पढ़ने जा रहे 16 वर्षीय छात्र के साथ मारपीट के मामले में डबरा सिटी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार विधि-विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 25 सितंबर की शाम करीब 5 बजे डबरा की डीएस ठाकुर वाली गली में हुई।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, श्रीराम कॉलोनी निवासी छात्र अपने घर से कोचिंग के लिए जा रहा था। इसी दौरान आशू गुर्जर नामक युवक से उसका घूरने की बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर गाली-गलौज शुरू हो गई और कुछ ही देर में आशू के अन्य साथी नैतिक रावत, हेमन्त रावत तथा एक अन्य युवक भी मौके पर पहुंच गए। शिकायत के मुताबिक, चारों ने मिलकर छात्र के साथ लात-घुंसों से मारपीट की।

मारपीट के दौरान छात्र के दाहिने पैर और बाएं गाल में चोट आई। आरोप है कि इसी दौरान आशू गुर्जर ने पत्थर से छात्र के सिर पर भी वार किया, जिससे उसके सिर में चोट



आई। घटना के बाद छात्र अपने पिता के साथ थाना डबरा सिटी पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर ने पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश के निर्देश दिए।

एसडीओपी डबरा सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय किया और संभावित ठिकानों पर तलाश शुरू की।

पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान मारपीट में शामिल चारों को तलाश कर अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में चारों के विधि-विरुद्ध बालक होने की जानकारी सामने आई। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के



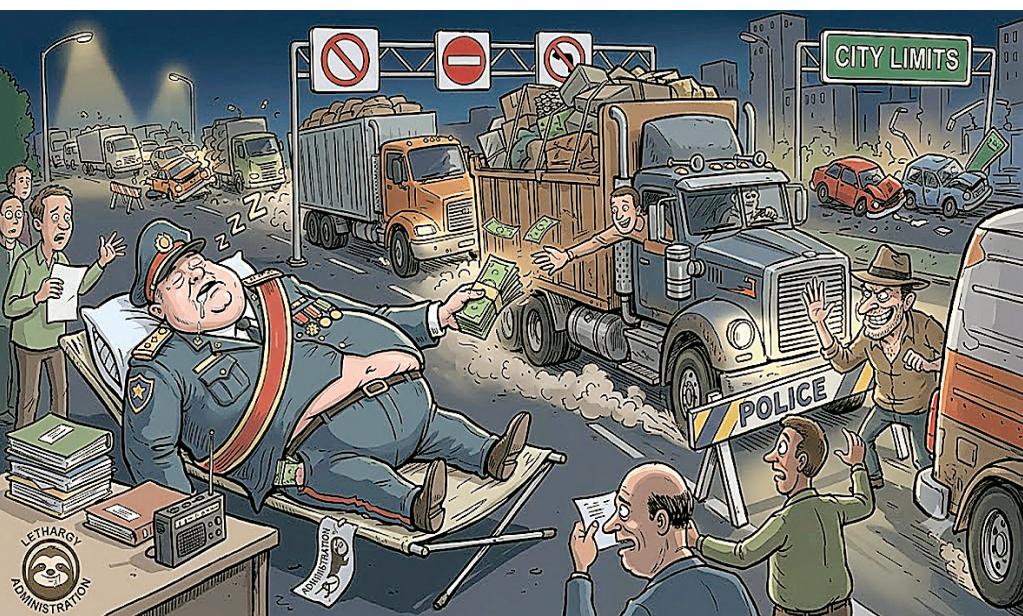
दौरान उन्होंने छात्र के साथ मारपीट की घटना स्वीकार की है। थाना डबरा सिटी में मामले में अपराध क्रमांक 568/2026 के तहत बीएनएस की धारा 115(2), 296(बी), 351(2) एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। पुलिस द्वारा चारों विधि-विरुद्ध बालकों को नियमानुसार अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस टीम की भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी डबरा देहात निरीक्षक मिर्जा आसिफ बेग, उप निरीक्षक राजकुमार जाटव, उप निरीक्षक चंदन सिंह धाकड़, प्रधान आरक्षक भरत सेन, आरक्षक अविनाश पटसरिया, आरक्षक दीपक रावत और आरक्षक विनोद रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नो-एंट्री के बावजूद शहर में घुस रहे वाहन, हादसों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

बेला की बावड़ी, मोतीझील और गोल पहाड़िया पॉइंट से प्रतिबंधित वाहनों की एंट्री



अचलेश्वर एक्सप्रेस

ग्वालियर। शहर में नो-एंट्री व्यवस्था लागू होने के बावजूद प्रतिबंधित वाहनों के शहर में प्रवेश को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बेला की बावड़ी, मोतीझील और गोल पहाड़िया पॉइंट से नो-एंट्री के दौरान वाहनों के अंदर आने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रतिबंधित समय में भी कुछ वाहन बेरोकटोक शहर की ओर पहुंच रहे हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ हादसे का खतरा भी बढ़ रहा है। मोतीझील पॉइंट को लेकर विशेष

रूप से सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि नो-एंट्री के बावजूद वाहनों को अंदर आने दिया जा रहा है और कुछ मामलों में कथित अवैध वसूली के बाद प्रवेश दिए जाने की चर्चा है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ऐसा हो रहा है तो यह व्यवस्था और सड़क सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर मामला है।

बेला की बावड़ी से लेकर मोतीझील और गोल पहाड़िया तक यदि नो-एंट्री की निगरानी कमजोर है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि प्रतिबंध के बावजूद वाहन शहर में

कैसे प्रवेश कर रहे हैं। हाल में हुए हादसों के बाद भी यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

अब जरूरत केवल कार्रवाई की घोषणा की नहीं, बल्कि इन तीनों पॉइंटों पर तैनात अमले की भूमिका, सीसीटीवी फुटेज और नो-एंट्री के दौरान शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच की है। सवाल यह है कि अधिकारियों की नौद किसी बड़े हादसे के बाद खुलेगी या उससे पहले व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा?

हमें चाहिए न्यूज़ रिपोर्टर

अगर आपको सच दिखाने का ज़रूबा है, तो जुड़िए अचलेश्वर एक्सप्रेस से...

स्थानीय खबरों को देने का है मौका

हम अपने दर्शकों तक सटीक, तेज और जिम्मेदार पत्रकारिता पहुंचाने के लिए प्रतिभाशाली और ऊर्जावान न्यूज़ रिपोर्टरों की तलाश में हैं।

आवश्यक योग्यता

- संचार/मीडिया/पत्रकारिता में रुचि
- समाचार लेखन और फील्ड रिपोर्टिंग का अनुभव (अतिरिक्त योग्यता)
- ग्वालियर-चंबल संभाग और मध्य प्रदेश के स्थानीय मुद्दों की समझ
- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स और टीम के साथ काम करने की क्षमता

अगर आपके अंदर है खबर की ताकत... तो बनिए हमारी टीम का हिस्सा!

अपना बायोडाटा और खबर से जुड़ा अनुभव हमें जरूर भेजें।

हमें आपसे क्या चाहिए?

- जुनून, मेहनत और जिम्मेदारी
- समय पर खबर देने की प्रतिबद्धता
- सकारात्मक सोच और सीखने की ललक
- स्थानीय मुद्दों पर पैनी नजर

क्या मिलेगा?

- आकर्षक मानदेय
- करियर ग्रोथ के अवसर
- प्रशिक्षण और मार्गदर्शन
- सुरक्षित और प्रोफेशनल वातवरण

अचलेश्वर एक्सप्रेस

सच की आवाज़, हर कदम आपके साथ